हिन्दुस्तानी संगीत में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं के सिद्धांत से अवगत कराना एवं उनका क्रियात्मक ज्ञान प्रदान करना है|

चतुर्थ सेमेस्टर हेतु माइनर वोकेशनल कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**भारतीय संगीत सिद्धांत**	BAMM(N)**-221**	**50**	**2**
	इकाई 1- नाद, ग्राम**,** मूर्छना,जाति गायन,निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्ध राग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांग वादी राग, उत्तरांग वादी राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग ।			
	इकाई 2- पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं देश का परिचय**,** स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना।			
	इकाई 3- नाट्यशास्त्र एवं संगीत रत्नाकर ग्रन्थों का संक्षिप्त अध्ययन।			
	इकाई 4- संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबंध।			
	इकाई 5**-** पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं देश में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत को तानों/तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना ।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना**;** पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल के ठेकों को दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
2	***क्रियात्मक एवं मौखिक परीक्षा*** IV	BAMM(N)**-221**	**50**	**2**
द्वितीय खण्ड	इकाई 7- पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं देश का परिचय।			
	इकाई 8- पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं देश में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत तोड़ों सहित।			
	इकाई 9- एकताल का ठेका**,** उसके प्रकार एवं उनकी वादन विधि।			
	इकाई 10- कहरवा ताल का ठेका**,** उसके प्रकार एवं उनकी वादन विधि।			
	इकाई 11- पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल की पढन्त।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल के ठेकों को ठाह व दुगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 13- हारमोनियम वाद्य पर 5 अलंकार तथा सरस्वती वंदना/ वंदे मातरम प्रदर्शन			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

राग- भूपाली एवं देश, ***ताल – एकताल एवं कहरवा***